(iii) निरुक्त

Nirukt

(iv) कोश-शास्त्र

Kosh-shastra

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 5254 **H**

Unique Paper Code : 2132101203

Name of the Paper : Critical Survey of Śāstric Literature

Name of the Course : **BA (H.) Sanskrit**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer any **five** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

1. प्राचीन भारतीय विज्ञान की भाषा संस्कृत है-सोदाहरण स्पष्ट करें। (15)

Sanskrit is the language of ancient Indian science-explain with examples.

2. भारतीय संगीत-शास्त्र के उद्भव और विकास को स्पष्ट करें। (15)

Explain the origin and development of Indian sangit-shastra.

3. आयुध विज्ञान के इतिहास को स्पष्ट कीजिये। (15)

Explain the history of Ayudhvigyaan.

4. व्याकरण-शास्त्र के प्रक्रिया ग्रंथ के इतिहास को स्पष्ट कीजिए। (15)

Explain the History of prakriyaa granth of grammar.

5. भारतीय ज्ञान परम्परा में छंद शास्त्र के महत्त्व को दर्शाते हुए आलोचनात्मक सर्वेक्षण करें। (15)

Make a critical survey of meter empathising its importance in Indian knowledge system.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी कीजिए : (15)

Write short-notes on any **three** of the following :

(i) आचार्य चरक

Acharya-charak

(ii) पतंजलि

Patanjali

5

May-2024

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 1444

H

Unique Paper Code : 12131201

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Prose)

Name of the Course : **B.A. Sanskrit**

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

भाग (क)

(Section A)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए - (5×2=10)

Translate any **two** of the following :

(क) भवादृशा एवं भवन्ति भाजनान्युपदेशानाम् । अपगतमले हि मनसि स्फटिकमणाविव रजनिकरगभस्तयो विशन्ति सुखेनोपदेशगुणाः ।

(ख) गुरुवचनम् अमलम् अपि सलिलमिव महदुपजनयति श्रवणस्थितं शूलमभव्यस्य । इतरस्य तु करिण इव शङ्खाभरणमाननशोभासमुदयमधिकतरम् उपजनयति ।

(ग) गुरूपदेशश्च नाम पुरुषाणामखिलमलप्रक्षालनक्षमम् अजलं स्नानम्, अनुपजातपलितादिवैरूप्यमजरं वृद्धत्वम्, अनारोपितमेदोदोषं गुरूकरणम्, असुवर्णविरचनम् अग्राम्यं कर्णाभरणम्, अतीतज्योतिरालोकः, नोद्वेगकरः प्रजागरः ।

(घ) न परिचयं रक्षति । नाभिजनमीक्षते । न रूपमालोकयते । न कुलक्रममनुवर्तते । न शीलं पश्यति । न वैदग्ध्यं गणयति । न श्रुतमाकर्णयति । न धर्ममनुरुध्यते । न त्यागमाद्रियते । न विशेषज्ञतां विचारयति । नाचारं पालयति । न सत्यमवबुध्यते । न लक्षणं प्रमाणीकरोति । गन्धर्वनगरलेखेव पश्यत एवं नश्यति ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए - (5×2=10)

Explain any **two** of the following :

(क) लतेव विटपकानध्यारोहति । गङ्गेव वसुजनन्यपि तरङ्गबुद्बुदचञ्चला।

(ख) प्रस्तावना कपटनाटकस्य । कदलिका कामकरिणः । वध्यशालासाधुभावस्थ । राहुजिह्वा धर्मेन्दुमण्डलस्य ।

(ग) सकलमतिमलिनमप्यन्धकारमिव दोषजातं प्रदोषसमयनिशाकर इवगुरुपदेशः ।

(घ) कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यम् <u>अपरम्</u> ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम् ।

3. शुकनासोपदेश के आधार पर गुरु के उपदेश का महत्व प्रतिपादित कीजिए । (10)

Explain the importance of teachings of Guru according to शुकनासोपदेश.

अथवा / OR

"वाणी बाणो बभूव" इस उक्ति पर विस्तृत निबन्ध लिखिए ।

Write an essay on the statement "वाणी बाणो बभूव".

भाग ख

(Section B)

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए - (5×2=10)

Translate any **two** of the following :

(क) मयाऽपि परिभ्रमता विन्ध्याटव्यां कोऽपि कुमारः क्षुधा तृषा च क्लिश्यन्नक्लेशार्हः क्वचित्कूपाभ्याशे अष्टवर्षदेशीयो दृष्टः । स च त्रासगद्‌गदमगदत्- "महाभाग, क्लिष्टस्य मे क्रियतामार्य ! साहाय्यकम् । अस्य मे प्राणापहारिणीं पिपासां प्रतिकर्तुमुदकमुदन्चन्निह कूपे कोऽपि निष्कलो ममैकशरणभूतः <u>पतितः</u> ।"

(ख) येप्युदिशन्ति एवमिन्द्रियाणि जेतव्यानि एवमरिषड्वर्गम् त्याजयः सामादिरुपायवर्गः स्वेषु परेषु चाजस्रं <u>प्रयोज्यम्</u> । सन्धिविग्रहचिन्तयैव नेयः कालः स्वल्पोऽपि सुखस्यावकाशो न देयः ।

(ग) चित्तज्ञानानुवर्तिनोऽनर्थ्या अपि प्रियाः स्यु । दक्षिणा अपि तदभावबहिष्कृता द्वेष्या <u>भवेयुः</u> इति । तथापि का गतिः । अविनीतोऽपि न <u>परित्याज्यः</u> पितृपैतामहेरस्मादृशैरयमधिपतिः । अपरित्यजन्तोऽपि कमुपकारमश्रूयमाणवचः सर्वथा नयज्ञस्य वसन्तभानोरश्मकेन्द्रस्य हस्ते राज्यमिदं <u>पतितम्</u> ।

(घ) "किं बहुना ! राज्यभारं भारक्षमेष्वन्तरङ्गेषु भक्तिमत्सु <u>समर्पय</u>, अप्सरः प्रतिरूपाभिरन्तः पुरिकाभीरममाणो गीतसंगीतपानगोष्ठीश्च यथर्तु बध्नन् यथार्ह कुरु शरीरलाभम्" इति पञ्चाङ्गस्पृष्ट भूमिरञ्जलिचुम्बितचूडश्चिरमशेत । प्राहसीच्च प्रीतिफुल्ललोचनोऽन्तः पुरप्रमदाजनः ।

5. महाकवि दण्डी की भाषाशैली पर विस्तृत निबन्ध लिखिए। (10)

Write an essay on Dandi's language style.

अथवा / OR

विश्रुतचरितम् में वर्णित राजाओं की दिनचर्या के विषय में विस्तार से बताइए।

Explain daily routine of kings as described in Vishrutacharitam.

6. प्रश्न संख्या 1, 2 एवं 4 में रेखांकित पदों में से किन्ही **पाँच** पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। (5)

Write grammatical notes on any **five** of the underlined words in Question No. 1, 2 and 4.

भाग ग

(Section C)

7. संस्कृत गद्यकाव्य के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए। (10)

Elucidate the origin and development of Sanskrit prose.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following :

दण्डी, कथा, अम्बिकादत्त व्यास, बाणभट्ट

8. संस्कृत साहित्य के आधार पर लोककथा का वर्णन कीजिए। (10)

Describe the 'Lokakatha' on the basis of Sanskrit literature.

अथवा / OR

P.T.O.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following :

पुरुषपरीक्षा, शुकसप्तति, हितोपदेश, वेतालपञ्चविंशतिका ।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 4462 **H**

Unique Paper Code : 2131001002

Name of the Paper : Introductory Upanishad and Geeta (Sanskrit B)

Name of the Course : **Common Group : AEC**

Semester : II

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. ईशावास्योपनिषद् के अनुसार 'ईश्वर' के स्वरूप पर प्रकाश डालिए। (15)

Elaborate the nature of Īśavāra according to the Īśavāsyopaniṣad.

अथवा / OR

ईशावास्योपनिषद् के आध्यात्मिक तत्त्वों पर लेख लिखिए।

Writean essay on the spiritual content of Īśavāsyopaniṣad.

2. अधोलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (7.5×2)

Write short notes on any **two** of the following :

(i) कर्म सिद्धान्त

(The Doctrine of Karma)

(ii) सम्भूति

(Sambhūti)

(iii) ब्रह्म

(Brahma)

3. गीता के आधार पर कर्म सिद्धान्त पर एक लेख लिखिए। (15)

Write an article on the concept of karma according to the Gītā.

अथवा / OR

गीता का सार अपने शब्दों में लिखिए।

Write the summary of the Gītā in your own word.

4. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (7.5×2)

Write short notes on any **two** of the following :

(i) स्थितप्रज्ञ

(Sthitapragya)

(ii) समत्वबुद्धि

(Samatvabuddhi)

(iii) कर्मयोग की अवधारणा

(The Concept of Karmayoga)

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 4463 **H**

Unique Paper Code : 2131001003

Name of the Paper : Sanskrit C : Introduction to Sanskrit Language

Name of the Course : **AEC : Common Prog. Group**

Semester : II

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. There are total **6** questions in this question paper.
4. **All** the questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं।

4. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. कर्ताकारक को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (5)

Explain with example Karta Karaka.

अथवा / (OR)

कर्मकारक को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

Explain with example Karma Karaka.

2. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** शब्दों के निर्देशानुसार रूप लिखिए : (5×1=5)

Write the specific form of any **five** of the following words :

(i) बालक, सप्तमी विभक्ति

(ii) तत् (पुल्लिंग), षष्ठी विभक्ति

(iii) मति, चतुर्थी विभक्ति

(iv) जल, पंचमी विभक्ति

(v) गुरु चतुर्थी विभक्ति

(vi) सर्व (स्त्रीलिंग) तृतीया विभक्ति

(vii) युष्मद् सप्तमी विभक्ति

(ख) निम्नलिखित किन्हीं **पांच** पदों का विभक्ति एवं वचन लिखिए : (5×1=5)

Write the विभक्ति and वचन of any **five** of the following :

(i) रामे

(ii) लतायाम्

(iii) अस्मत्

(iv) हरिणा

(v) ज्ञानात्

(vi) कस्मिन्

(vii) त्वत्

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं पांच धातुओं के निर्देशानुसार रूप लिखिए : (5×1=5)

Write the specific form of any **five** of following verbs :

(i) लिख् - लृट्लकार, प्रथमपुरुष

(ii) खाद् - लट्लकार, उत्तमपुरुष

(iii) पा (पिब्) - लृट्लकार, मध्यमपुरुष

(iv) भ्रम् - लट्लकार, प्रथमपुरुष

(v) स्था - लृट्लकार, उत्तमपुरुष

(vi) दा (यच्छ्) - लट्लकार, मध्यमपुरुष

(vii) पठ् - लृट्लकार, मध्यमपुरुष

(घ) किन्हीं पांच धातुरूपों का लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए : (5×1=5)

Write the लकार, पुरुष and वचन of any **five** of the following :

आसन, द्रक्ष्यथ, गेष्यन्ति, अवर्षन्, हसिष्यामः, अगच्छताम् ।

3. निम्नलिखित किन्हीं पांच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : (5×2=10)

Translate any **five** sentences into Sanskrit out of the following :

(i) बालक ने जलपिया।

(ii) हम घूमेंगे।

(iii) वह भोजन पकाता है।

(iv) वे दोनों गीत गाते हैं।

(v) तुम सभी धन देखोगे।

(vi) हम सभी तुम्हें फूल देंगे।

(vii) हरि कहाँ गया था?

4. रेखांकित पदों में से किन्हीं **पांच** पदों में विभक्ति पहचान कीजिए : (5×1=5)

Identify the inflection in any **five** of the following sentences :

(i) वयंयुष्मान्पुष्पाणिदास्यामः ।

(ii) तेभोजनेन सह फलम् अखादन् ।

(iii) ताःअस्माकं गृहंआगमिष्यन्ति?

(iv) गुरुःशिष्यान्पाठयति।

(v) सर्वे जनाः कुत्र गच्छन्ति?

(vi) अनेनइदं कार्यं कृतम् ।

(vii) यूयं मित्र पत्रम् अलिखत ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अव्ययों को चुनकर संस्कृत में वाक्य निर्माण कीजिए : (2×1=2)

With the help of any **two** of the following, form sentences in Sanskrit :

तत्र, अद्य, कथम्, तथा, च

6. (क) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **पांच** वाक्यों में रिक्तस्थान पूर्ति कीजिए : (5×2=10)

Fill in the blanks in any **five** of the following :

(i) युवां मित्रैः सह ________। (पठन्ति, पठथः, पठावः)

(ii) वयं सर्वे सफलाः ________। (भवावः, भविष्यामः, आसम्)

(iii) ताः विद्यालयं ________ । (गच्छन्ति, गमिष्यामि, गच्छथ)

(iv) पिता पुत्रायगीतं ________। (गास्यताम्, अगायत्, गायन्ति)

(v) हरिः भोजनं ________। (अपचम्, पक्ष्यति, पचसि)

(vi) लताईश्वरं ________। (नमन्ति, अनमन्, नमति)

(vii) अध्यापकाः शिष्यान्प्रति ________। (वदति, वदामः, वदन्ति)

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** को शुद्ध कीजिए : (4×2=8)

Correct any **four** of the following :

(i) ईश्वरः सर्वं पश्यतः ।

(ii) अहं तव गृहम् आगमिष्यामः ।

(iii) तौपरस्परं वदन्ति ।

(iv) त्वं कुत्र भ्रमति ।

(v) गुरवः कान् वदन्ति ।

(vi) हरिः सर्वत्र सन्ति ।

(vii) ताः श्वः विद्यालये पाठं लेखिष्यति ।

21

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 5156 **H**

Unique Paper Code : 2132101201

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Prose)

Name of the Course : **UGCF, BA (H)**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से किसी **चार** का अनुवाद कीजिए : (4×5=20)

Translate any **four** of the following :

(i) तात चन्द्रापीड! विदितवेदितव्यस्याधीतसर्वशास्त्रस्यते नाल्पमप्युपदेष्ट-व्यमस्ति। केवलञ्च निसर्गतएवाभानुभेद्यमरत्नालोकोच्छेद्यमप्रदीपप्रभा-पनेयमतिगहनं तमो यौवनप्रभवम् । अपरिणामोपशमो दारुणो लक्ष्मीमदः । कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यम् अपरम् ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम्। अशिशिरोप-चारहार्योऽतितीव्रो दर्पदाहज्वरोष्मा। सततममूलमन्त्रशम्यो विषमो विषयविषास्वादमोहः।

(ii) गुरूपदेशश्च नाम पुरुषाणामखिलमलकप्रक्षालनक्षमम् अजलं स्नानम्, अनुपजातपलितादिवैरूप्यमजरं वृद्धत्वम्, अनारोपितमेदोदोषं गुरूकरणम्, असुवर्णविरचनम् अग्राम्यं कर्णाभरणम्, अतीतज्योतिरालोकः, नोद्वेगकरः प्रजागरः । विशेषेणतु राज्ञाम् । विरला हि तेषामुपदेष्टारः । प्रतिशब्दक इव राजवचनमनुगच्छति जनो भयात् ।

(iii) स पुनरिमान् प्रत्याह- 'कोऽसौ मार्गः' इति। पुनरिमे ब्रुवते- 'ननु चतस्रो राजविद्याः, त्रयीवार्ताऽऽन्वीक्षिकी दण्डनीतिरिति। तासु तिस्रस्त्रयीवार्तान्वीक्षिक्यो महत्यो मन्दफलाश्च। अधीष्व तावद्दण्डनीतिम्। इयमिदानीमाचार्यविष्णुगुप्तेन मौर्यार्थे षड्भिः श्लोकसहस्रैः संक्षिप्ता। सैवेयमधीत्य सम्यगनुष्ठीयमाना यथोक्तकर्मक्षमा' इति। स 'तथा' इत्यधीते शृणोति च। तत्रैव जरां गच्छति।

(iv) अथ सोऽप्याचचक्षे- 'देव' मयापि परिभ्रमता विन्ध्याटव्यां कोऽपि कुमारः क्षुधा तृषा च क्लिश्यन्नक्लेशार्हः क्वचित् कूपाभ्याशेऽष्टवर्षदेशीयो दृष्टः। स च त्रासगद्गदमगदत्- 'महाभाग, क्लिष्टस्य मे क्रियतामार्य साहाय्यकम् अस्य मे प्राणापहारिणीं पिपासां प्रतिकर्तुमुदकमुदञ्चन्निह कूपे कोऽपि निष्कलो ममेकशरणभूतः पतितः ।

(v) "अहो! चिररात्राय सुप्तोऽहम्, स्वप्नजालपरतन्त्रेणैव महान् पुण्यमयः समयोऽतिवाहितः, सन्ध्योपासन-समयोऽयमस्मद्गुरुचरणानाम्, तत्सपदि अवचिनोमिकुसुमानि" इति चिन्तयन्, कदलीदलमेकमाकुञ्च्य, तृणशकलैः सन्धाय, पुटकं विधाय, पुष्पावचयं कर्त्तुमारेभे। बटुरसौ आकृत्या सुन्दरः, वर्णन गौरः, जटाभिर्ब्रह्मचारी, वयसा षोडशवर्षदेशीयः, कम्बुकण्ठः, आयतललाटः, सुबाहुर्विशाललोचनश्चाऽऽसीत्।

(vi) अलं भो अलम्! मयैव पूर्वमवचितानि कुसुमानि, त्वं तु चिरं रात्रावजागरीरिति क्षिप्रं नोत्थापितः, गुरुचरणा अत्र तडागतटे सन्ध्यामुपासते, संस्थापिता मया निखिला सामग्री तेषां समीपे। यां च सप्तवर्षकल्पाम्, यावनत्रासेन निःशब्दं रुदतीम्, परमसुन्दरीम्, कलित-मानव-देहामिव सरस्वतीं सान्त्वयन् मरन्द-मधुरा अपः पाययन्......।

P.T.O.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (2×6=12)

Explain any **two** of the following with reference to the context :

(i) तदनन्तरमनन्तवर्मा नाम तदायतिरवनिमभ्यतिष्ठत्। स सर्वगुणैः समृद्धोऽपि दैवाद् दण्डनीत्यां नात्यादृतोऽभूत्। तमेकदा रहसि वसुरक्षितो नाम मन्त्रिवृद्धः, पितुरस्य बहुमतः, प्रगल्भवागभाषत-'तात, सर्वैवात्मसंपदाभिजनात्प्रभृत्यन्यूनैवात्रभवति लक्ष्यते। बुद्धिश्च निसर्गपट्वी कलासु नृत्यगीतादिषु चित्रेषु च काव्यविस्तरेषु प्राप्तविस्तारा तवेतरेभ्यः प्रतिविशिष्यते।

(ii) तस्मिन् पर्वते आसीदेको महान् कन्दरः। तस्मिन्नेव महामुनिरेकः समाधौ तिष्ठति स्म। कदा स समाधिमङ्गीकृतवानिति कोऽपि न वेत्ति। ग्रामणी-ग्रामीण-ग्रामाः समागत्य मध्ये-मध्ये तं पूजयन्ति, प्रणमन्ति स्तुवन्ति च। तं केचित् कपिल इति, अपरे लोमेश इति, इतरे जैगीषव्य इति, अन्ये च मार्कण्डेय इति, विश्वसन्ति स्म। स एवायमधुना शिखरादवतरन् ब्रह्मचारिबटुभ्यामदर्शि।

(iii) नपरिचयंरक्षति। नाभिजनमीक्षते। नरूपमालोकयते। नकुलक्रममनुवर्तते। नशीलंपश्यति। नवैदग्ध्यंगणयति। नश्रुतमाकर्णयति। नधर्ममनुरुध्यते। नत्यागमाद्रियते। नविशेषज्ञतांविचारयति। नाचारंपालयति। नसत्यमवबुध्यते। नलक्षणंप्रमाणीकरोति। गन्धर्वनगरलेखेवपश्यतएवनश्यति।

(iv) अतिप्रयत्नविधृतापि परमेश्वरगृहेषु विविधगन्धगजगण्डमधुपानमत्तेव परिस्खलति। पारुष्यमिवोपशिक्षितुमसिधारासु निवसति। विश्वरूपत्वमिव ग्रहितुमाश्रिता नारायणमूर्तिम्। अप्रत्ययबहुला च दिवसान्तकमलमिव समुपचितमूलदण्डकोशमण्डलपि मुञ्चति भूभुजम्। लतेव विटपकानध्यारोहति।

3. 'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्' इस कथन की समीक्षा कीजिए। (11)

Critically examine the statement- 'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्'.

अथवा / OR

शुकनासोपदेश में चित्रित लक्ष्मी के स्वरुप का वर्णन कीजिए।

Explain the nature of Lakshmi on the basis of Shuknasopadesh.

4. अम्बिकादत्त व्यास की गद्य शैली की विस्तृत विवेचना कीजिए। (11)

Describe the prose style of Ambikadatt Vyasa in detail.

अथवा / OR

शिवराजविजय के प्रथम निःश्वास के आधार पर भगवान् सूर्य की महिमा का वर्णन कीजिए।

Explain the glory of Lord Surya on the basis of First canto of Shivrajavijaya.

5. 'दण्डिनः पदलालित्यम्' इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। (11)

Critically examine the statement- 'दण्डिनः पदलालित्यम्' with examples.

अथवा / OR

विश्रुतचरितम् के आधार पर विहारभद्र के कथन का विवेचन कीजिए।

Elaborate the statement of Viharbhadra as depicted in the Vishrutcharitam.

6. प्रश्न संख्या 1 तथा 2 के किन्हीं पाँच रेखांकित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। (1×5=5)

Write grammatical note on any **five** of the underlined words in question 1 and 2.

7. संस्कृत गद्यकाव्य की विकास यात्रा पर विस्तृत निबन्ध लिखिए। (10)

Write a detailed essay on the development of Sanskrit Prose Literature.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write notes on any **two** of the following :

हर्षचरित, पुरुषपरीक्षा, पञ्चतन्त्र, कादम्बरी।

(3)

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए जिनमें से एक संस्कृत में होनी चाहिए : (2×5=10)

Write notes on any **two** of the following, one of which should be in Sanskrit :

चन्द्रापीड, मृगतृष्णा, योगिराज, सतीर्थ्य, अनर्थपरम्परा ।

17

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 5203 **H**

Unique Paper Code : 2132101202

Name of the Paper : Sanskrit Epics

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

1. रामायण के आधार पर राम का चरित्र-चित्रण कीजिए। (15)

Sketch the Character of Rama on the basis of the Ramayana.

अथवा / OR

रामायणाधारित संस्कृत नाटकों का परिचय दीजिये।

Give an introduction of Sanskrit dramas based on the Ramayana.

2. 'यन्नेहास्ति न तत् क्वचित्' - कथन का मूल्यांकन कीजिए। (15)

Evaluate the Statement – 'यन्नेहास्ति न तत् क्वचित्'.

अथवा / OR

महाभारताधारित संस्कृत नाटकों का परिचय दीजिए।

Give an introduction of Sanskrit dramas based on the Mahabharata.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिये : (2×6=12)

Translate any **two** of the following :

(i) देहिनोऽस्मिन्यथा देहे कौमारं यौवनं जरा ।
तथा देहान्तरप्राप्तिर्धीरस्तत्र न मुह्यति ।।

(ii) य एनं वेत्ति हन्तारं यश्चैनं मन्यते हतम् ।
उभौ तौ न विजानीतो नायं हन्ति न हन्यते ।।

(iii) निर्मर्यादस्तु पुरुषः पापाचारसमन्वितः ।
मानं न लभते सत्सु भिन्नचारित्र दर्शनः ।।

(iv) दत्तमिष्टं हुतं चैव तप्तानि च तपांसि च ।
वेदाः सत्यप्रतिष्ठानास्तस्मात्सत्यपरो भवेत् ।।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (2×9=18)

Explain with reference to the context of any **two** of the following :

(i) वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि ।
तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्यन्यानि संयाति नवानि देही ।।

(ii) नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः ।
उभयोरपि दृष्टोऽन्तस्त्वनयोस्तत्त्वदर्शिभिः ।।

(iii) सत्यमेवानृशंसं च राजवृत्तं सनातनम् ।
तस्मात्सत्यात्मकं राज्यं सत्ये लोकः प्रतिष्ठितः ।।

(iv) उद्विजन्ते यथा सर्पान्नरादनृतवादिनः ।
धर्मः सत्यं परो लोके मूलं स्वर्गस्य चोच्यते ।।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (3×5=15)

Write notes of any **three** of the following :

(i) अद्भुत रामायण

(Adbhuta Ramayana)

(ii) अध्यात्म रामायण

(Adhyatma Ramayana)

(iii) रामायणकालीन आदर्श परिवार

(Ideal Family of the Ramayana Period)

(iv) रामायणकालीन आदर्श समाज

(Ideal Society of the Ramayana Period)

(v) महाभारत में वर्णित जीवन मूल्य

(life values described in the Mahabharata)

(vi) रामायणाधारित भारतीय भाषाओं का साहित्य

(Literature of Indian Language based on the Ramayana)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 4093 **J**

Unique Paper Code : 2131002006

Name of the Paper : Introductory Culture and Society, AEC

Name of the Course : **Common Program Group, NEP, UGCF 2022**

Semester : IV

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** का उत्तर दीजिए। (3×15=45)

Answer Any **Three** Question of the following.

I. स्थितप्रज्ञ के महत्त्व को प्रतिपादित कीजिए।

Explain the importance of Sthitprajna.

II. महर्षि पतञ्जलि के द्वारा वर्णित यम और नियम की चर्चा कीजिए।

Comment upon the Yama and the Niyama as discussed by Maharishi Patanjali.

III. महात्मा गाँधी कें सामाजिक दृष्टिकोण पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

Express your views on the social outlook of Mahatma Gandhi.

IV. ईशोपनिषद् के प्रथम मन्त्र का अभिप्रायः स्पष्ट कीजिए।

Explain the meaning of the first mantra of Ishopanishad.

V. संज्ञान सूक्त के मन्त्रों का भाव स्पष्ट करते हुए सामाजिक सद्भाव बताइए।

Explain the meaning of the mantras of SangyanSukta and tell about social harmony.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए (2×7.5=15)

Write short notes on any **two** of the following.

I. आचार्य मनु (Acharyamanu)

II. अहिंसा (Ahinsa)

III. स्वाध्याय (svadhyay)

IV. योगशास्त्र (yogshastra)

V. विवेकानन्द (Vivekanand)

(1000)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 4139 **J**

Unique Paper Code : 2131002003

Name of the Paper : Sanskrit C: Introduction to Sanskrit Language

Name of the Course : **AEC**

Semester : IV

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. करण कारक को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 5
   Explain with the example *Karana karaka.*

अथवा/OR

कर्म कारक को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
Explain with example *Karma karaka.*

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** शब्दों के निर्देशानुसार रूप लिखिए: 5 ×1= 5

Write the specific forms of any **five** of the following words:

i. युष्मद् शब्द चतुर्थी विभक्ति।
ii. जलम् शब्द सप्तमी विभक्ति।
iii. मति शब्द तृतीया विभक्ति।
iv. इदम् शब्द स्त्रीलिङ्ग षष्ठी विभक्ति।
v. लता शब्द षष्ठी विभक्ति।
vi. राम शब्द तृतीया विभक्ति।
vii. अस्मद् शब्द द्वितीया विभक्ति।

3. निम्नलिखित किन्हीं **पांच** पदों का विभक्ति एवं वचन लिखिए। 5 ×1= 5

Write the *Vibhakti* and *Vacana* of any **five** of the following words:

(i) ज्ञानानाम्
(ii) इमे
(iii) गुरोः
(iv) तुभ्यम्
(v) सर्वस्मै
(vi) मत्याम्
(vii) रामयोः

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** धातुओं के निर्देशानुसार रुप लिखिए: 5 ×1= 5

Write the specific forms of any **five** of the following *dhatus* as per instructions:

i. खाद्- लट् लकार, मध्यम पुरुष
ii. भ्रम् – लङ् लकार, उत्तम पुरुष
iii. चल् - लङ् लकार, प्रथम पुरुष
iv. पा- लृट् लकार, मध्यम पुरुष
v. स्था - लङ् लकार, प्रथम पुरुष
vi. लिख् - लट् लकार, प्रथम पुरुष
vii. दृश्- लृट् लकार, उत्तम पुरुष

5. निम्नलिखित किन्हीं **पांच** धातुरुपों का लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए। 5 ×1= 5

Write the *Lakara, Purusha* and *Vacana* of any **five** of the following:

अपठत, अभ्रमन्, यच्छथ, आस्ताम्, चलिष्यामः, पक्ष्यामः, हसामि ।

6. निम्नलिखित किन्हीं **पांच** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद किजिए: 5 ×2= 10

Translate any **five** Sentences into Sanskrit out of the following:

i. मै गीत गाता हूँ ।
I sing a song.

ii. पाँच पुस्तकें और पाँच फूल यहाँ है ।
The five books and five flowers are here.

iii. शिष्य ने पुस्तक पढ़ी ।
The disciple read book.

iv. मैं भ्रमण करुंगा ।
I will roam.

v. तुम सब कब पत्र लिखते हो ?
When do you all write letters?

vi. हम वेदों को पढ़ते हैं ।
We read the Vedas.

vii. वह फल खायेगा ।
He will eat the fruit.

viii. तुम दोनों सूर्य और चन्द्रमा को देखते हो ।
Both of you look at the sun and the moon.

7. रेखांकित पदों में से किन्हीं **पांच** पदों की विभक्ति बताइए: 5 ×1= 5

Identify the *Vibhakti* in any **five** of the following sentences:

क) मोहनः ग्रामं गच्छति ।

ख) आचार्यः शिष्याय विद्यां ददाति।

ग) मातुः गृहं तत्र अस्ति ।

घ) लता चन्द्रमसं पश्यति ।

ङ) गुरु माधवाय विद्यां ददाति ।

च) जनकस्य पुत्रः रामः अस्ति ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों से वाक्य निर्माण कीजिए: 2×1= 2

Make sentence from any **two** of the following words:

अद्य, कथम्, यथा-तथा, अपि, च ।

9. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **पांच** वाक्यों में रिक्तस्थान पूर्ति किजिए: 5 ×2= 10

Fill in the blanks in any **five** of the following sentences:

(i) रामः विद्यालयम् .... (अगच्छः, अगच्छम्, अगच्छत्)

(ii) माला ग्रामम् ....(पश्यति, पश्यसि, पश्यथः)

(iii) त्वं दुग्धं .... (पास्याथ, पास्यसि, पास्यामः)

(iv) अहं निर्धनेभ्यः धनम् .... (यच्छथः, यच्छामि, यच्छथ)

(v) मेघः कदा.................... (अवर्षत्, अवर्षम्, अवर्षाव)

(vi) शिष्यः गुरुम्...............(नमति, नमामि, नमसि)

(vii) तरुणः कदा चलचित्रम् .... (द्रक्ष्यति, द्रक्ष्यतः द्रक्ष्यन्ति)

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** को शुद्ध किजिए: 4 ×2= 8

Correct any **four** of the following:

(i) बालिकाः पश्यति

(ii) ताः चित्रं पश्यथ

(iii) बालकौ हसति

(iv) वयं खादिष्यथः

(v) बालिकाः तिष्ठसि

(vi) ह्यः माता आगच्छसि

(vii) भवान् कदा ग्रामं आगच्छसि?

भाग – 3

Part–3

11. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (3×5=15)

Write short note on any **Three** of the following :

(i) स्वाध्याय

Swadhayaya

(ii) ईश्वर प्रणिधान

Ishvarapranidhan

(iii) सन्तोष

Santosh

(iv) कौटिल्य

Kautilya

(v) स्वामी दयानन्द सरस्वती

Swami Dayanand Sarasvati

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 4533 **H**

Unique Paper Code : 2131002006

Name of the Paper : Sanskrit C: (Introductory) Culture and Society

Name of the Course : **Common Prog. Group : AEC**

Semester : IV

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

भाग – 1

Part–1

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों का उत्तर दीजिए : (3×12=36)

Answer any **Three** of the following Questions :

1. "ईशावास्यमिदं सर्व यत्किञ्च जगत्यां जगत्" की व्याख्या कीजिए।

   Elaborate "ईशावास्यमिदं सर्व यत्किञ्च जगत्यां जगत्".

2. ईशावास्योपनिषद् का दर्शन समझाइए।

   Explain the philosophy of *Ishavasyopnishad.*

3. भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के अनुसार स्थितप्रज्ञ का लक्षण दीजिए।

   Explain the characteristics of *Sthitapragya* according to the second chapter of *Bhagwadgita.*

4. ऋग्वेद के संज्ञान सूक्त में किस प्रकार का सामाजिक आचरण वर्णित है?

   What kind of social conduct is described in *Sanjnana Sukta* of *Rigveda*?

5. योगसूत्र के अनुसार सत्य एवं अहिंसा का वर्णन कीजिए।

   Describe *Satya* and *Ahimsa* according to *Yogasutra.*

भाग – 2

Part–2

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों का उत्तर दीजिए : (3×8=24)

Answer any **Three** of the following Questions :

6. योगसूत्र के अनुसार अस्तेय को समझाइए।

   Describe *Asteya* according to *Yogasutra.*

7. योगसूत्र के अनुसार तपः को समझाइए।

   Explain *Tapas* according to *Yogasutra.*

8. मनु के मौलिक विचारों को संक्षेप में लिखिए।

   Write the Fundamental thoughts of Manu in brief.

9. गौतम बुद्ध के विचारों को समझाइए।

   Explain the thoughts of Gautam Buddha.

10. वर्तमान समय में स्वामी विवेकानन्द के विचारों का महत्त्व बताइए।

    Write the importance of the thoughts of Swami Vivekananda in present time.

भाग 'ग' / Part-C

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (9×2=18)

Write short notes on any **Two** of the following :

(i) देहली टोपरा प्रथम स्तम्भ अभिलेख।

First Pillar Edict Delhi Topra.

(ii) रुद्रदामा के द्वारा किये गए सामाजिक कार्य।

Describe the social works of Rudradaman.

(iii) अभिलेखों में वर्णित प्राचीन आर्थिक जीवन।

Ancient economic life described in Inscriptions.

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 5229 **H**

Unique Paper Code : 2132102403

Name of the Paper : Indian Epigraphy II

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

भाग 'क' / Part-A

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

(18×3=54)

Answer any **Three** questions of the following :

1. रुद्रदामन के गिरनार अभिलेख का ऐतिहासिक महत्त्व लिखिए।

   Write historical importance of Girnar Inscription of Rudradaman.

2. महरौली लौहस्तंभ अभिलेख के चंद्र कौन हैं, विस्तार से लिखिए।

   Explain who is 'Chandra' of Mehrauli iron pillar.

3. प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत के रूप में अभिलेख के महत्व पर चर्चा कीजिए।

   Discuss the importance of Inscription as a source of Ancient Indian history.

4. प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं समाज को जानने में अभिलेखों की महती भूमिका है, स्पष्ट कीजिए।

   Explain the Significance of Inscriptions in understanding ancient Indian Culture and Society.

5. प्राचीन भारतीय अभिलेखों में किस प्रकार से काल गणना की गई है ?

   How is dating system adopted in the Ancient Indian Inscriptions?

भाग 'ख' / Part-B

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए : (9×2=18)

   Translate any **Two** of the following :

   (i) ।।ओं।। आविन्ध्यादाहिमाद्रेर्विरचित विजयस्तीर्थ यात्रा प्रसङ्गा-
   दुद्ग्रीवेषु प्रहर्त्ता नृपतिषु विनमत्कन्धरेषु प्रसन्नः।
   आर्यावर्तं यथार्थं पुनरपि कृतवान्लेच्छ विच्छेदनाभि-
   र्देवः शाकम्भरीन्द्रो जगति विजयते वीसल क्षोणिपालः ।।

   (ii) प्राप्तेन स्वभुजार्जितं च सुचिरं चैकाधिराज्य क्षितौ
   चन्द्राह्वेन समग्रचन्द्रसदृशीं वक्त्रश्रियं बिभ्रता।
   तेनायं प्रणिधाय भूमिपतिना धावेन विष्णौ मतिं
   प्रान्शुर्विष्णुपदे गिरौ भगवतो विष्णोर्ध्वजः स्थापितः ।।

   (iii) गृहिणां स्वस्वगुणैस्त्रिवर्गतुङ्गा।
   विहिताान्यक्षितिपालमानभङ्गाः।
   अभवन्नुपजातभीतिलिङ्गा।
   यदनीकेन सकोसलाः कलिङ्गाः ।।

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 1401 **H**

Unique Paper Code : 12131401

Name of the Paper : Indian Epigraphy, Paleography and Chronology

Name of the Course : **B.A. (Sanskrit)**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

खण्ड क

निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (3×10=30)

Answer any **three** questions from the following :

1. भारत में अभिलेख अध्ययन की प्राचीनता सिद्ध करते हुए इसकी भारतीय परम्परा रेखांकित कीजिए।

Describe the antiquity of the Paleography in India, underlining its Indian tradition.

अथवा

प्राचीन भारतीय लिपियों का परिचय देते हुए, उनकी उत्पत्ति एवं प्रकार का विवेचन कीजिए।

Introduce the ancient Indian scripts and describe their origin and types.

2. सम्राट् अशोक के गिरनार शिलालेख की विषयवस्तु पर प्रकाश डालते हुए इसका महत्त्व बताइए।

Illustrating the subject matter of the Girnar Edict of King Ashoka, describe its importance.

अथवा

समुद्रगुप्त के एरण अभिलेख का महत्त्व बताइए।

Describe the significance of the Eran Edict of Samudragupta.

3. बीसलदेव के दिल्ली टोपरा शिलालेख की विषय वस्तु पर प्रकाश डालिए।

Illustrate the subject matter of the Delhi Topara Inscription by Bisaladeva.

अथवा

अभिलेखों के काल निर्धारण की पद्धति पर प्रकाश डालें।

Describe the system for ascertaining the chronology of the edicts?

खण्ड ख

निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर लघु टिप्पणी लिखिए : (4×5=20)

Write short notes on any **four** of the following :

1. प्राचीन भारतीय ब्राह्मी लिपि

   Ancient Indian Brahmi Script

2. अभिलेख की आधार सामग्री

   Base Material for the edicts

3. सम्राट् अशोक का सारनाथ लघु शिलालेख

   The Sarnath minor-rock edict by King Ashoka

4. रुद्रदामन् के गिरिनगर अभिलेख में वर्णित सुदर्शन झील

   The Sudarshan Lake in the Girnar Edict of Rudradaman.

5. महारौली स्थित लौह स्तंभ अभिलेख में वर्णित चन्द्र की उपलब्धियां

   Chandra's achievement as described in the Mehrauli Iron Pillar Edict

6. गुप्त संवत्

   Gupta Samvat

खण्ड ग

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए : (5×2=10)

   Translate any **two** of the following :

(i) तत्कारिता च राजानुरूप-कृत-विधानया तस्मिन् भेदे दृष्टया प्रणाडया विस्तृत-सेतु...... आ गर्भात्प्रभृत्यविहत-समुदित-राजलक्ष्मी-धारणागुणतस्सर्व-वर्णैरभिगम्य रक्षनार्थ पतित्वे वृतेन आ प्रणोच्छवासात्पुरुषबध-निवृत्ति-कृत-सत्य-प्रतिज्नयेन.....

(ii) श्रीरस्य पौरुष-पराक्रम-दत्त-शुल्का
नित्यानगृहेषु मुदिता बहु-पुत्र-पौत्र-
संक्रामिणी कुल-वधू व्रतिनी निविष्टा ।

(iii) अस्ति पि एकचा समाजा बहुमता देवानंपियस पियदससिनो राजानो पुरा महानसम्हि देवानंपियस पियदसिनो अनुदिवसं बहूनि प्राणसतसहस्रानि आरभिसु सूपाथाय स अज यदा अयं धम्मलिपि लिखिता ती एव प्राणा आरभरे सूपाथाय ।

(iv) ब्रूते सम्प्रति चाहमान-तिलकः शाकम्भरी-भूपतिः
श्रीमद्विग्रहराज एष विजयीन संतानजानात्मनः ।
अस्माभिः करदं व्याधायि हिमवद्विन्ध्यांतरालं भुवः
शेष-स्वीकरणाय मास्तु भवतामुद्योग-शून्यं मनः ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखें : (4×2=8)

Write short notes on any **two** of the following :

रज्जुक, धर्ममहामात्र, तीर्त्वा सप्तमुखानि, सुदर्शन बांध ।

खण्ड घ

1. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए : (7)

Write short note on any **one** of the following in Sanskrit :

अभिलेखानाम् लेखनसामग्री

(The writing material of inscriptions)

अथवा

अभिलेखानाम् अध्ययने भारतीय विदुषां योगदानम्

(Contribution of Indian scholars in Epigraphical Studies)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 1467 **H**

Unique Paper Code : 12131402

Name of the Paper : Modern Sanskrit Literature

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Core, LOCF**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** का अनुवाद कीजिए : (4×5=20)

Translate any **Four** of the following :

(क) वेदार्थ-शास्त्रार्थविशुद्धसत्त्वा नित्यं नृलोकानुजिघृक्षवश्च ।
भूमीतलस्योद्धरणाय यस्यां महावराहन्त्यपरेऽपि सन्तः ।।

(ख) सर्वेजनाः सन्ततिरीश्वरस्य चिच्छक्तिरस्मास्वपि भात्यपूर्वा ।
निर्माय उच्चावचतां समाजे जनैः सवर्णैस्तु बहिष्कृताः स्मः ।।

(ग) स्वयं न्यायपीठे प्रभुत्वं गृहीत्वा ।
परस्वे स्वतां निर्णयन्तः क एते ।
परेषां कृते वारुणीं वर्जयन्तः ।
सुराभाजनं शोषयन्तः क एते ।।

(घ) इयं वात्सल्यभूमिर्दिव्यभूमिर्वा भवेत् कामम् ।
अभिष्वंगा अनगंस्य प्रतीहाराः क्व यातास्ते ।।

(ङ) नौकामिह सारं सारम्
गन्तास्मि कदाचित्पारम्
उत्तीर्णः स्यामपि मन्ये
पारावारमपारम् ।।

(च) हन्त भोः । गृहसारिकाः समुपेक्ष्य कुण्ठितकण्ठं शुक आनीतः? यदि नाम मत्कन्यकाः प्रारम्भादेव मद्वात्सल्यलालिला अभविष्यन् अवश्यमेवासां सदगुणविकाशोऽभविष्यत् । मां नृशंसं दृष्ट्वैव गवयकिशोर्य इवेमा इतस्ततः पलायाञ्चक्रु । नाहमासां पिता भवितुमर्हामि ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की व्याख्या कीजिए : (3×8=24)

Explain any **Three** of the following :

(क) त्वमष्टमूर्तेर्यजमानमूर्त्तिस्त्वं विश्वमूर्त्तिस्त्वमु विश्वनाथः ।
रे शान्तिगंगाधर! मानवात्मन्नघोर एष त्वमसिप्रकृत्या ।।

(ख) मद्यं हि सर्वस्व-हरं नराणां कुटुम्ब-नाशोऽपि च निश्चितोऽस्ति ।
निपीय मद्यं गृहमागतेभ्यः कदापि नान्नं परिवेषणीयम् ।।

(ग) सज्जनमैत्री सन्ततं स्नेहभरं पुष्णाति ।
क्रमशोबृद्धिमुपागता दोषानपि मुष्णाति ।।
दोषानपिमुष्णाति निर्गुणे गुणमाधत्ते ।
निर्वेदं निर्वास्य मनसि सममोदं दत्ते ।।
सत्कार्यपेषूत्साहवर्धिनी जडताजैत्री ।
स्नेहसारविश्रम्भसन्तता सज्जनमैत्री ।।

(घ) स्नानगृहं गत्वा
गृहक्लेशश्रान्ता वधूः
निः शब्द रोदिति
तदा
स्नानगृहं तस्याः पितृगृहं भवति ।।

3. 'स्वातन्त्रयसम्भवम्' महाकाव्य में वर्णित मानवीय-दर्शन का विवेचन कीजिए। (10)

Discuss the Human philosophy as described in 'Swatantryasambhavam' Epic.

अथवा / Or

'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' के सन्दर्भ में शतपर्विका कथा का मूल्याङ्कन कीजिए।

Evaluate the story of Shatparvika in the context of 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ'.

4. 'संकल्पगीतिः' काव्य की समीक्षा कीजिए। (10)

Give a review of 'संकल्पगीतिः'.

अथवा / Or

पण्डित बच्चूलाल अवस्थी की कविताओं में वर्णित युगबोध का विश्लेषण कीजिए।

Analyze the contemporary knowledge as depicted in the poems of Pt. Bachchulal Awasthi.

5. प्रश्न संख्या 1 और 2 के रेखांकित किन्हीं **चार** पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। (4×1=4)

Write grammatical notes on any **four** underline words in Question no. 1 and 2.

6. कतमा कविता का सामाजिक सन्देश संस्कृत भाषा में लिखिए। (7)

Write the social massage of the कतमा कविता in Sanskrit language.

(1000)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 1772 **H**

Unique Paper Code : 12131403

Name of the Paper : Sanskrit and World Literature

Name of the Course : **B.A. Hons. Sanskrit Core, LOCF**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer any **five** among the following but Question No. 7 is compulsory.
4. Each question carries equal marks. (15×5=75)

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर दीजिए किन्तु प्रश्न संख्या सात अनिवार्य है।

4. सभी के अंक समान हैं। (15×5=75)

1. अवेस्ता तथा रोम व वैदिक धर्म की समानताओं का विवेचन कीजिए।

(15)

Discuss the similarities between Vedic and Avestan-Roman religions.

2. दारा शिकोह के उपनिषदों के अनुवाद के सन्दर्भ में सूफीवाद व उपनिषदों की समानताओं का निरूपण कीजिए।

(15)

Discuss the similarities between Sufism and the Upanishads in the light of Dara Shikoh's translations of the Upanishads.

3. विश्व साहित्य को पञ्चतन्त्र की देन पर निबन्ध लिखिये। (15)

Write an essay on the contribution of the Panchatantra to world literature.

4. रामायण ने दक्षिण पूर्वी एशिया के देशों के साहित्य व संस्कृति को किस प्रकार प्रभावित किया है?

(15)

How has the Ramayana influenced literature & culture in South East Asian Countries?

5. 19वीं शती में यूरोप ने अभिज्ञानशाकुन्तलम् का स्वागत बहुत उत्साह से किया। विवेचन कीजिये।

(15)

The Abhijnanashakunatlam was received with great enthusiasm in the 19th century Europe. Discuss.

6. ब्रिटेन व अमेरीका में संस्कृत अध्ययन के विषय में निबन्ध लिखिये।

(15)

Write an essay on Sanskrit studies in the Britain and US.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए: (2×7.5=15)

Write note on any two of the following :

(क) यूरोप में गीता के प्रचार व प्रसार पर निबन्ध लिखिए।

Write a note on The propagation of the Gita in Europe.

(ख) कालिदास की कृतियों का पाश्चात रंगमंच पर प्रभाव, टिप्पणी लिखिए।

Write a note on the impact of Kalidas's works on later theatre.

(ग) जर्मनी में संस्कृत अध्ययन के विषय में निबन्ध लिखिये।

Write an essay on Sanskrit studies in the Germany.

[The question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No of Question Paper : **4532**

Your Roll No..........

Unique Paper Code : 2131002005

Name of the Paper : Sanskrit B: (Intermediate) Administrative Structure in Kautilya's Arthashastra

Name of the Course : Common Prog. Group, AEC

Semester : IV

Duration : 2 Hours

Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates :

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. All questions are compulsory.
3. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, प्रश्न पत्र के उत्तर संस्कृत या हिंदी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए,परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. अर्थशास्त्र की विषयवस्तु का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (10)

Give a brief introduction to the subject matter of Arthashastra.

अथवा /or

सन्निधाता के कर्तव्यों की विवेचना कीजिए।

Discuss the duties of the Saanidhata.

2. कौटिल्य के दाय-विभाग को बताते हुए, उस पर स्वविचार प्रस्तुत करें। (15)

Explaining the kautilya's 'Daya-vibhag', present your views on it.

अथवा/or

अर्थशास्त्र में वर्णित राज्य व्यवस्था का वर्णन कीजिए।

Describe the state system described in Arthashastra.

3. कौटिल्य के आर्थिक विचारों की प्रासंगिकता बताइए । (15)

Explain the relevance of kautilya's economic ideas.

अथवा / or

अर्थशास्त्र के अनुसार सीताध्यक्ष के कर्तव्यों का विवेचन कीजिए।

Discuss the duties of a Sitadhyksha according to Arthashastra.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए। (10x2= 20)

Write short notes on any two of the following:

दण्डपारुष्य (Dandparushya)

समाहर्ता (Samaharta)

अर्थशास्त्र के प्रणेता (Founder of Arthashastra)

कल्याणकारी राज्य की अवधारणा (Concept of Welfare State.)

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 5126 **H**

Unique Paper Code : 2132102401

Name of the Paper : Modern Sanskrit Literature

Name of the Course : **BA (H), Sanskrit**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **all** questions.
3. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों की सानुवाद व्याख्या कीजिए: (15)

Explain with translation of **any two** of the following verses:

(क) वेदार्थशास्त्रर्थविशुद्धसत्त्वा नित्यं नृलोकानुजिघृक्षवश्च ।

भूमितलस्योद्धरणाय यस्यां महावराहन्त्यपरेऽपि सन्तः।।

(ख) तां कालरात्रीमिव लेलिहानां दूतीं शिवस्येव करालवृत्ताम् ।

माता यशोदेव महानुभावामलालयत साध्वसिनी तदम्बा ।।

(ग) वयं सुपुत्राः प्रिय- मातृभूमेः स्वबान्धवैरेव बहिष्कृताः स्मः ।

उद्धर्तुमस्माश्चिरदास्यपङ्कान्नास्मदृते कोऽपि परः समर्थः।।

(घ) प्रविश्य सेनां दलिता बभूवुः सुशिक्षिताः श्रीयुतप्रतिष्ठाः।

महारसेनापथकैः समैच्छञ् जित्वा भुवं शासितमाङ्गलराष्ट्रः।।

2. महाकाव्य ''स्वातन्त्र्यसम्भवम्'' के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु को लिखिए। (10)

Write the subject-matter of the second canto of the epic "Svatantryasambhavam".

अथवा

OR

''भीमायनम्'' महाकाव्य में वर्णित सामाजिक सन्देश का मूल्यांकन कीजिए।

Evaluate the social message described in the epic "Bhimayanam".

3. ''शतपर्विका'' कथा में वर्णित सामाजिक सन्देश की समीक्षा कीजिए। (10)

Review the social message described in "Shataparvika Katha".

अथवा

OR

''शार्दूलशकटम्'' की कथावस्तु का सविस्तार वर्णन कीजिए।

Describe the plot of "Shardulshaktam" in detail.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सानुवाद व्याख्या कीजिए: (15)

Explain with translation of any two of the following:

(क) सौभाग्यवति! गच्छ । निर्भरं तावत् रसवतीं सज्जय । किमपि स्वादु नवीनं वा वायञ्जनं पच। नाहं रुग्णः। स्वस्थोऽस्मि जातः । रोगस्तु मम मनस्यासीत् न शरीरे । सोऽपि द्राग्दूरीभूतः । रमोद्वाहेनावशिष्टोऽपि रोगो में प्रविष्टा ।

(ख) अन्तर्दधाति वसुधा कनकादिवित्तं सर्वं तदेव निहितं प्रसवाय तस्याः ।

लुब्धास्तथापि धनिकाः खलवृत्तिवश्या दैन्यं नयन्ति हि जनं बलकूटरिक्तम्।।

(ग) रामलालो वामपार्श्वं परिवर्त्य दक्षिणपार्श्वेन शेतुमुपक्रमते । प्रत्यभिज्ञानभयात् रमा काष्ठपुत्तलिकेव अकीञ्चित्करी तिष्ठति। द्वित्रैरेव क्षणैः दीर्घनिःश्वासान् मुञ्चति रामलालः । रमा जानाति, यत्तातो निर्भरं स्वपिति ।

(घ) अमृतस्य वाक्यमतीव मिष्टं सखीनां करोति स शुभमिष्टम् ।

सदा मन्यते विषवत्परुषं लीलया जहाति मन्दपुरुषम् ।।

5. हरिराम आचार्य कृत गीतिकाव्य ''संकल्पगीतिः'' की समीक्षा कीजिए। (10)

Review the lyric poem "Sankalpageeti" written by Hariram Acharya.

अथवा

OR

राधावल्लभ त्रिपाठी रचित ''गीतधीवरम्'' के वर्ण्यविषय को स्पष्ट करें।

Explain the subject matter of "Geetadheevaram" written by Radhavallabh Tripathi.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए: (10)

Translate any two of the following:

(क) शब्दगुम्फं विधाय क्वचिद् यत्नतः काव्यबन्धं कथश्चिद् वयं कुर्महे।

नैव भासो न माघो न बाणोऽधुना ब्रूहि कोऽस्मिन् युगे कालिदासायते ।।

(ख) संकल्पस्य न कोऽपि विकल्पः, हठयोगीव भवति संकल्पः ।

शिवसङ्कल्पं हृदि धारयत, कलुषं स्वयं नशिष्यति रे।।

तिमिरं स्वयं गमिष्यति रे।

(ग) प्रसरति तमस्तोम एषोऽयं यदपिच्छन्नाकाशः ।

कृतन्ति किन्तु तवायमथैनमन्तर्दीपप्रकाशः।।

(घ) खनेः कृष्णाङ्कारः बहिरायाती

असौ हरितपर्णं पश्यति

तदा शोकेनात्मानं प्रज्वालयति ।

7. निम्नलिखित में से किन्ही चार पर टिप्पणी लिखिए। (20)

Write comment on any four of the following.

(i) रामकरण शर्मा

(ii) पण्डिता क्षमा राव

(iii) यतीन्द्र विमल चौधुरी

(iv) जगन्नाथ पाठक

(v) जानकी वल्लभ शास्त्री

(vi) श्रीधर भास्कर वर्णेकर

5

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 5180 **H**

Unique Paper Code : 2132102402

Name of the Paper : Sanskrit and World Literature

Name of the Course : **B. A. (H.) Sanskrit,**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question, answer should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (18×3=54)

Answer **any three** questions out of the following:

(i) विश्व साहित्य से आप क्या समझते हैं ? संस्कृत साहित्य के प्रति विभिन्न यूरोपीय दृष्टिकोणों का वर्णन करें ।

What do you understand by world literature? Describe the various European approaches towards Sanskrit literature.

(ii) वेदान्त दर्शन के महत्व तथा इसके वैश्विक प्रभाव का मूल्यांकन करें ।

Evaluate the importance of Vedanta philosophy and its global impact.

(iii) अभिज्ञानशाकुन्तलम् के विभिन्न यूरोपीय भाषाओं में हुए अनुवादों तथा उनके प्रभाव का वर्णन करें ।

Describe the impact of translations of abhijñanasakuntalam into various European languages.

(iv) पंचतंत्र की वैश्विक यात्रा का वर्णन करें ।

Describe the global journey of Panchatantra.

(v) ब्रिटेन में संस्कृत अध्ययन की परम्परा का वर्णन करें ।

Describe the tradition of Sanskrit studies in Britain.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: (6×3=18)

Write short notes on **any three** of the following:

(i) दाराशिकोह के द्वारा किये गए उपनिषदों के फारसी अनुवाद ।

Persian translation of Upanishads by Darashikoh.

(ii) दक्षिणपूर्व एशियाई देशों में रामायण की परम्परा ।

Ramayana tradition in Southeast Asian countries.

(iii) स्वच्छंदतावाद ।

Romanticism.

(iv) संयुक्त राज्य अमेरिका में संस्कृत अध्ययन की परम्परा ।

Tradition of Sanskrit studies in the United States of America.

(v) अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत अध्ययन समवाय ।

International Association of Sanskrit Studies.

3. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए: (8×1=8)

Write short note in Sanskrit on any **one** of the following:

(i) कालिदास की रचनाओं का वैश्विक प्रभाव ।

Global impact of Kalidasa's works.

(ii) औपनिषदिक दर्शन का महत्व ।

Importance of Upanishad's philosophy.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों के तीन भारोपीय भाषाओं के समतुल्य शब्द लिखिए: (2.5×4=10)

Give the equivalent from any three Indo&European languages for any four of the words given below

सूर्य वच् अश्व माता अग्नि श्रु

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 6161 **H**

Unique Paper Code : 2135001004

Name of the Paper : Sanskrit Narratology

Name of the Course : **Common Prog. Group, G.E. : Sanskrit**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. संस्कृत जन्तुकथाओं के उद्भव और विकास का वर्णन कीजिए । (18)

Describe the origin and development of Sanskrit fables.

अथवा / Or

संस्कृत आख्यानों के उत्पत्ति और विकास में इतिहास-पुराण परम्परा के योगदान का विश्लेषण करें।

Analyze the contribution of Itihāsa-purāṇa tradition in origin and development of Sanskrit narratives.

2. संस्कृत आख्यानों की किन्हीं चार विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (18)

Explain any four distinctive features of Sanskrit narratives.

अथवा / Or

आध्यात्मिक प्रयोजन की दृष्टि से संस्कृत आख्यानों की महत्ता पर प्रकाश डालिए।

Throw light upon the significance of Sanskrit narratives from the point of view of spiritual purpose.

3. संस्कृत आख्यान के माध्यम के रुप में नृत्यकला, चित्रकला व मूर्त्तिकला की विशेषताओं को बताइए। (18)

Describe the role of dance, painting and sculpture as a medium of Sanskrit narratives.

अथवा / Or

कथावाचकों के सामाजिक वर्ग के रुप में कुशीलव, चारण एवं सूत वर्ग की भूमिका का वर्णन कीजिए।

Describe the role of Kuśīlava, Cāraṇa and Sūta class as a social-class of storytellers.

4. विश्व की विभिन्न भाषाओं में हुए पञ्चतन्त्र के अनुवाद का विवरण दीजिए। (18)

Give a description of Pancatantra's translations in different languages of the world.

अथवा / Or

विश्व-साहित्य में पञ्चतन्त्र के महत्त्व को बताइए।

Describe the significance of Pancatantra in world-literature.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखें : (6×3=18)

Write short-notes on any of **three** :

(i) संवाद-सूक्त

(Samvāda Sūkta)

(ii) गाथा-नाराशंसी

(Gāthā nārāśaṁsī)

(iii) बृहत्कथा

(Bṛhatkathā)

(iv) कथासत्र

(Kathāsatra)

(v) शुकसप्तति

(Śukasaptati)

(vi) नचिकेता आख्यान

(Naciketā Ākhyāna)

(vii) अंकोरवाट

(Angkor Wat)

(100)

तुलनात्मक भाषाविज्ञान के इतिहास का सामान्य परिचय दीजिए।

Give general introduction of the history of comparative linguistics.

6. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (8+8+7)

Write short notes on the following :

(क) केंटुम् और शतम्

Centum and Shatam

अथवा / OR

अल्पप्राण – महाप्राण

(ख) भाषा की उत्पत्ति का समन्वय सिद्धान्त

Synthesis theory of language origin

अथवा / OR

रूप परिवर्तन के कारण

Causes of morphological changes

(ग) संस्कृत ध्वनियों के उच्चारणस्थान

Places of articulation of Sanskrit sounds

अथवा / OR

मूल भारोपीय भाषा की ध्वनियाँ

Sounds of Proto-Indo-European language

(1000)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 1733 **H**

Unique Paper Code : 12137905

Name of the Paper : Sanskrit Linguistics

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit, DSE, LOCF**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. भाषाविज्ञान की क्या आवश्यकता है? भाषाविज्ञान के प्रमुख अंगों पर विस्तार से लिखिए। (8)

What is the need of linguistics? Discuss the Main limbs of linguistics.

अथवा / OR

अभिव्यक्ति के माध्यम के रूप में भाषा की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

Explain the main features of language as a medium of expression.

2. भाषा के विविध रूपों का वर्णन करते हुए भाषा के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए। (8)

Explain the nature of language and by describing the various forms of language.

अथवा / OR

भाषा की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

Discuss the characteristics of the language.

3. भारोपीय भाषापरिवार के महत्त्व का स्पष्ट कीजिए। (12)

Describe the importance of Indo-European family of language.

अथवा / OR

भारोपीय भाषापरिवार की शाखाओं का परिचय दीजिए।

Describe the branches of Indo-European family of language.

4. संस्कृत की दृष्टि से ध्वनिविज्ञान का परिचय दीजिए। (12)

Give an introduction of phonetics of Sanskrit.

अथवा / OR

भाषाविज्ञान के अनुसार पद विज्ञान का वर्णन कीजिए।

Describe the Morphology according to linguistics.

5. आधुनिक भाषाविज्ञान की दृष्टि से संस्कृत का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए। (12)

Discuss the importance of Sanskrit in the light of modern linguistics.

अथवा / OR

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 1375 **H**

Unique Paper Code : 12131601

Name of the Paper : Indian Ontology and Epistemology

Name of the Course : **B.A. (H), Sanskrit – LOCF**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

भाग – क / Section A

1. आस्तिक दर्शनों का सामान्य परिचय देते हुए भारतीय दर्शन के प्रयोजन को स्पष्ट कीजिए । (6)

Giving a general introduction to theistic philosophies, explain the purpose of Indian philosophy.

अथवा / OR

द्वैतवादी विचार के रूप में मध्वाचार्य के दर्शन का वर्णन कीजिए ।

Describe Madhvacharya's philosophy as a dualistic thought.

2. कार्यकारण विषयक विवर्तवाद एवं आरम्भवाद के सिद्धान्त का विवेचन कीजिए। (6)

Discuss the cause and effect related doctrines vivartavāda and āraṃbhavāda.

अथवा / OR

कार्यकारणवाद विषयक सांख्यमत का वर्णन कीजिए।

Discuss the cause and effect doctrine of Saṃkhya.

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (4.5×2=9)

Write a short note on any **two** of the following :

(i) परिणामवाद

(Doctrine of Transformation)

(ii) यथार्थवाद

(Realism)

(iii) एकतत्त्ववाद

(Monism)

भाग – ख / Section B

4. पदार्थ की परिभाषा देते हुए द्रव्य के भेदों का विवेचन कीजिए।

Giving the definition, discuss the types of dravya (matter).

(7)

अथवा / OR

तर्कसंग्रह के अनुसार विशेष एवं अभाव पदार्थ का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

Explain the nature of Viṣeśa and abhāvapadārtha according to Tarkasaṃgraha.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : (6×2=12)

Explain any **two** of the following :

(i) परमपरं चेति द्विविधं सामान्यम् ।

(ii) चलनात्मकं कर्म ।

(iii) नित्यसम्बन्धः समवायः ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (4×2=8)

Write a note on any **two** of the following :

(i) आकाश

(ākāṣa)

(ii) आत्मा

(ātmā)

(iii) समवायी - असमवायी कारण

(samavāyi-asamavāyikāraṅa)

(iv) यथार्थ अनुभव

(yathārtha-anubhava)

भाग – ग / Section C

7. प्रत्यक्ष का लक्षण निरुपित करते हुए षड्विधइन्द्रियार्थसन्निकर्ष को स्पष्ट कीजिए। (7)

Defining the Pratyaksh explain षड्विध इन्द्रियार्थसन्निकर्ष.

अथवा / OR

तर्कसंग्रह के अनुसार हेत्वाभास के भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

Explain with example the differences of hetvabhasa according to the Tarkasamgraha.

3.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : (6×2=12)

Explain any **two** of the following :

(i) इन्द्रियार्थसन्निकर्षजन्य ज्ञानं प्रत्यक्षम् ।

(ii) आप्तवाक्यं शब्दः ।

(iii) सर्वव्यवहारहेतुर्ज्ञानं बुद्धिः ।

(iv) उपमितिकरणमुपमानम् ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (4×2=8)

Write a note on any **two** of the following :

(i) पक्ष – सपक्ष – विपक्ष

(paksh-sapaksh-vipaksh)

(ii) केवलव्यतिरेकी

(kevalavyatireki)

(iii) संशय-तर्क

(sanshay-tark)

(iv) परामर्श

(Counseling)

27

[This question paper contains 12 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 1419 **H**

Unique Paper Code : 12131602

Name of the Paper : Sanskrit Composition and Communication

Name of the Course : **B.A. (H), Core, LOCF**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. चतुर्थी विभक्ति सम्बधी नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (4)

Explain with examples the rules of चतुर्थी विभक्ति.

अथवा / Or

निम्नलिखित में से किन्हीं 2 सूत्रों की व्याख्या कीजिए :

Explain any **two** of the following sutras :

ध्रुवमपायेऽपादानम्, आधारोऽधिकरणम्, कर्मणि द्वितीया, प्रातिपदिकार्थलिङ्ग-परिमाणवचनमात्रे प्रथमा

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** वाक्यों में सूत्रनिर्देशपूर्वक विभक्ति का कारण बताइए : (4)

Explain the reason of the case ending in any **four** sentences :

(i) शिष्यः गुरुं प्रश्नं पृन्छति ।

(ii) छात्रजीवनं मानवजीवनस्य आधारशिला वर्तते ।

(iii) अर्जुनः धनुर्विद्यायां निपुणः आसीत् ।

(iv) वामनः बलिं वसुधां याचते ।

(v) उपाध्यायाद् अधीते ।

(vi) रामः रावणाय अलम् अस्ति ।

(vii) भोजनस्य हेतोः वसति ।

3. वाच्य से क्या अभिप्राय है? वाच्य के भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । (4)

What is the voice? Explain Type of voice with examples.

अथवा / Or

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** में वाच्य परिवर्तन कीजिए :

Change the voice in any **four** of the following :

(i) सोहनः गृहं गच्छति ।

(ii) ते चलचित्रं पश्यन्ति ।

(iii) देवैः आशीर्वादाः दीयन्ते ।

(iv) सः गां दुग्धं दोग्धि ।

(v) त्वया मया तैः हस्यते ।

(vi) कन्या संस्कृतं पठति ।

(vii) गोपालः गीतं गायति ।

(viii) रामेण शीयते ।

4. शतृ एवं शानच् प्रत्ययों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । (3)

Explain with examples शतृ and शानच् suffixes.

अथवा / Or

उचित प्रत्ययों के प्रयोग द्वारा किन्हीं छः रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए :

Fill up the blanks of any **six** of the following with suitable suffixes :

(i) त्वया भोजनं ______ (खाद्+क्त) ।

(ii) ______ (हस्+शतृ) नरं पश्य ।

(iii) रमेशः मोदकं ______ (दृश्+क्त्वा) प्रसीदति ।

(iv) आशुतोषः क्रीडनकानि ______ (क्री+तुमुन्) गमिष्यति ।

(v) रमणिका भोजनं ______ (पच्+शानच्) अस्ति ।

(vi) नरः नृपं ______ (प्र+नम्+ल्यप्) उपविशति ।

(vii) कन्यया कुत्रापि न ______ (गम्+अनीयर्) ।

(viii) विनीता पत्र ______ (लिख्+क्तवतु) ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दस वाक्यों का संस्कृत भाषा में अनुवाद कीजिए : (10)

Translate in Sanskrit Language any **ten** sentences of the following :

(i) तुम कहाँ जाते हो।

Where do you go.

(ii) लोग देवालय में ईश्वर को पूजते हैं।

People worship God in temple.

(iii) शुभकर्म करने वालों को नमस्कार हो।

Greetings to good doers.

(iv) छात्रों का कल्याण हो।

Students should be blessed.

(v) तुम सब कब खेलोगे?

When did you all play?

(vi) तुम जो बोओगे, वह काटोगे।

What you sow, so shall you reap.

(vii) भक्त शिव को नमस्कार करते हैं।

Devotees bow to Shiva.

(viii) गायत्री मंत्र से बुद्धि सबल होती है।

Gayatri mantra enriches one's intellect.

(ix) जल से शरीर के अंग शुद्ध होते हैं।

Water the parts of the body.

(x) छात्रों ने लड्डू खाए।

Students ate laddoos.

(xi) तुम सब मेरे साथ चलो।

All of you move with me.

(xii) माता गृहकार्य में कुशल है।

Mother is expert in household chores.

(xiii) घर के नीचे जल है।

There is water beneath the house.

(xiv) वृक्षों के ऊपर कौवे बैठे हैं।

Crows are sitting on the trees.

(xv) हम दोनों तुम दोनों को देखते हैं।

We both are looking you both.

(xvi) माँ बच्चे से प्यार करती है।

Mother loves the child.

6. अधोलिखित गद्य का संस्कृत में अनुवाद कीजिए - (10)

Translate the following into Sanskrit.

राजा राहूगण पालकी में यात्रा कर रहे थे। चार मजदूर उनकी पालकी उठाए दौड़ रहे थे। सफर लंबा था। तभी एक कुएँ के पास पालकी उतारकर मजदूरों ने कहा, "प्यास लगी है, हुजूर! जरा पानी पीकर आते हैं।"

उनमें से एक मजदूर तो इतना थक गया था कि एक कदम भी चलने की हिम्मत उसमें बाकी नहीं थी। वह वहीं से जान छुड़ाकर भाग गया। अब बचे रहे तीन। पालकी कैसे उठाई जाये? इतने में सामने से जड़भरत आते दिखे।

King Rahugan was travelling in a palanquin. Four workers were running with their palanquins. The journey was long. Then the workers took off the palanquin near a well and said, "I am thirsty, sir! Let's drink some water."

One of the workers was so tired that he did not have the courage to walk even a single step. He escaped from there. Now three survive. How to lift the palanquin? In the meantime, roots were seen coming from the front.

7. निम्न में से किसी **एक** का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : (10)

Translate any **one** of the following paragraphs into Hindi or into English :

कृष्णचन्द्रः नाम कश्चित् जनः आसीत्। सः रूपवान् महाधनिकः च आसीत्। दैवेन तस्मै सर्व दत्तम् आसीत्। सुन्दरी गुणवती च भार्या, उत्तमः सन्तानः, प्रियतमाः बान्धवाः, गुणवन्तः सुहृदः च तस्य आसन्। तथापि तस्य पूर्णा सन्तुष्टिः न आसीत्। "मम पार्श्वे सर्वम् अस्ति। अतः भाग्यवान् अस्मि एव, परन्तु कि एतानि सर्वाणि निरन्तरं ममं एवं भविष्यन्ति? यदि कदाचित् मम भाग्यं क्षीणं भविष्यति तर्हि कथम् अहं जीवेयम्? अपि च, आगामिनि जन्मनि अपि इदम् एव गृहं, क्षेत्रं, कुटुम्बं, भार्या, पुत्राः च किं मम भवेयुः? एतस्याः समस्यायाः परिहारः कः? इति विचारः तम् अहोरात्र बाधते स्म। यत् यं वा सः पश्यति तस्य विषये चिन्तयति–'**एतद् एषः वा सर्वदा कि मम एवं भविष्यति?**' इति। एतेन भोजने तस्य रुचिः विनष्टा। निद्रा अपि दूरं गता। एकस्मिन् दिने चित्तशान्ति अर्थ सः मन्दिरं गतवान्। तत्र प्रवचनकर्ता कश्चित् प्रवचन कुर्बन् आसीत्। सः अवदत्- "**भूलोके सर्वम् अनित्यम् देवाः अमृतस्य सेवनात् चिरञ्जीविनः नित्यसुखिनः च भवन्ति**" इति।

अथवा / Or

ये जनाः दृढ़प्रतिज्ञाः भवन्ति, तेषां कृते तेषां व्रतमेव सर्वप्रमुखं भवति। संसारे ईदृशाः जनाः भूतवन्तः ये जीवनस्य अन्तिमे क्षणेषपि सत्यस्य आश्रयं नात्यजन्। स्वात्मनः विपर्यये किञ्चिद् कर्म अपि नाकुर्वन्। अनेकासु विपत्तिषु अपि नृपः हरिश्चन्द्रः सत्यस्याश्रयं नात्यजत्। महाराणा प्रतापः आजीवन वने वनेऽभ्रमत्। स्वभार्या बालश्च बुभुक्षया निष्प्राणान्निव पश्यन्नपि सः तेषां वार्तां न अमन्यत। ते तस्मै पराधीनं जीवनं जीवितुम् अकथयन्। आधुनिके काले महर्षिः दयानन्दोऽपि सत्यस्य पालने वेदप्रचारे च स्वजीवनं बलिदानम् अकरोत् परं सत्यस्य मार्ग नात्यजत्। एवमेव पुण्यभूमिभारते अनेके ईदृशाः महापुरुषाः अजायन्त, ये स्वजन्मना इमां भूमिं पवित्राम् अकुर्वन्। अद्यापि तेषां चरणचिह्नानि मानवान् सत्याचरणं प्रति प्रेरयन्ति।

8. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिए :– (15)

Write an essay in Sanskrit language on **one** of the following topics :–

संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्, वेदानां महत्त्वम्, भारवेरर्थगौरवम्, गीता

9. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत-भाषा में लघु-निबन्ध लिखिए :-

(15)

Write a short essay in Sanskrit language on **one** of the following topics :-

आतंकवादः, कोरोना, पर्यावरणसंरक्षणम्, संगणकस्य उपयोगिता

6. किसी **एक** पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए : (7)

Write note in **Sanskrit** on any **one** of the following :

नायक, विदूषक, विकास, रंगपीठ

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 1581 **H**

Unique Paper Code : 12137903

Name of the Paper : Theatre and Dramaturgy in Sanskrit

Name of the Course : **BA (H), DSE, LOCF**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. नाट्यमण्डप के प्रकार अथवा भूमि मापन का वर्णन कीजिए। (12)

   Describe the type of theatre or measurement of the site.

2. संवाद के विविध प्रकारों को लक्षण सहित लिखिए। (12)

   Write the different types of dialogues with their definition.

3. रस निष्पत्ति में स्थायी भाव और विभाव की भूमिका लिखिए। (12)

   Write the role of स्थायी भाव and विभाव in the रस निष्पत्ति.

4. किन्हीं **पांच** पर टिप्पणी लिखिए : (5×5=25)

   Write note on any **five** of the following :

   दारुकर्म, कार्यावस्था, धीरललित, सात्त्विक भाव, भूमि-मापन, लोक रंगमंच, पुस्त

5. किन्हीं **दो** को परिभाषित कीजिए : (3.5×2=7)

   Define any **two** of the following :

   आधिकारिक कथा, सूत्रधार, आकाशभाषित